RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितम्बर
11
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

By Ankit Avasthi Sir

भारत और खाड़ी देशों के बीच संयुक्त कार्य योजना

हाल ही में **भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (GCC)** के बीच **पहली रणनीतिक वार्ता** के लिए संयुक्त मंत्रिस्तरीय बैठक 9 सितंबर 2024 को **सऊदी अरब की राजधानी रियाद** में आयोजित की गई। यह **भारत और जीसीसी के छह सदस्य देशों** के बीच पहली विदेश मंत्री स्तर की बैठक थी।

भारत-खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) की पहली संयुक्त मंत्रिस्तरीय बैठक के मुख्य परिणाम:

- ✓ **भारत और खाड़ी देशों ने एक साथ काम करने की योजना बनाई:**
  - **भारत और खाड़ी देशों ने मिलकर काम** करने के लिए एक योजना बनाई है। इस योजना का नाम **"संयुक्त कार्य योजना 2024-2028"** है।
  - इस योजना के तहत दोनों पक्ष **स्वास्थ्य, व्यापार, सुरक्षा, कृषि, खाद्य सुरक्षा, परिवहन, ऊर्जा और संस्कृति** जैसे कई क्षेत्रों में मिलकर काम करेंगे।
  - भविष्य में दोनों पक्ष आपसी सहमति से इस योजना में और भी क्षेत्रों को शामिल कर सकते हैं।
- ✓ **भारत ने "3P" फ्रेमवर्क का प्रस्ताव दिया:**
  - भारत ने **"3P" फ्रेमवर्क** का प्रस्ताव दिया है। इसका मतलब है **कि भारत और खाड़ी देशों को लोगों के लिए, समृद्धि के लिए और प्रगति के लिए** मिलकर काम करना चाहिए।
- ✓ **ग़ज़ा में मानवीय संकट के बारे में भारत का रुख:**
  - भारत के विदेश मंत्री ने कहा कि भारत का रुख **मानवीय कानून के सिद्धांतों पर आधारित** है। भारत किसी भी प्रतिक्रिया में **इन सिद्धांतों को ध्यान** में रखेगा।

भारत और खाड़ी देशों के बीच संबंध:

- **राजनीतिक:** भारत और खाड़ी देशों के बीच **पहली राजनीतिक बातचीत 2003** में हुई थी। भारत **के सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान** के साथ रणनीतिक साझेदारी है।
- **व्यापार और निवेश:** वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और खाड़ी देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 161.59 अरब डॉलर था। संयुक्त अरब अमीरात भारत में विदेशी निवेश का सातवां सबसे बड़ा स्रोत है।
- **प्रवासी भारतीय:** लगभग **8.9 मिलियन भारतीय प्रवासी खाड़ी देशों** में रहते हैं, जो सभी **भारतीय प्रवासियों का 66%** है। खाड़ी क्षेत्र से भारत को मिलने वाले कुल प्रेषणों का हिस्सा **लगभग 30% है (2020-21)**।
- **ऊर्जा:** खाड़ी देश **भारत के तेल आयात का 35% और गैस आयात का 70%** योगदान देते हैं।

Gulf Cooperation Council (GCC) के बारे में

Gulf Cooperation Council (GCC) एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसका गठन **1981** में हुआ था। इसका उद्देश्य खाड़ी क्षेत्र के देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देना है। इसका मुख्यालय रियाद (सउदी अरब) में हैं।

GCC के सदस्य देश: बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब. संयुक्त अरब अमीरात

GCC के उद्देश्य:

- **क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता** को बढ़ावा देना।
- **आर्थिक विकास और समृद्धि** को प्रोत्साहित करना।
- **राजनीतिक सहयोग** को मजबूत बनाना।
- **सांस्कृतिक आदान-प्रदान** को बढ़ावा देना।
- **क्षेत्रीय एकीकरण को प्रोत्साहित** करना।

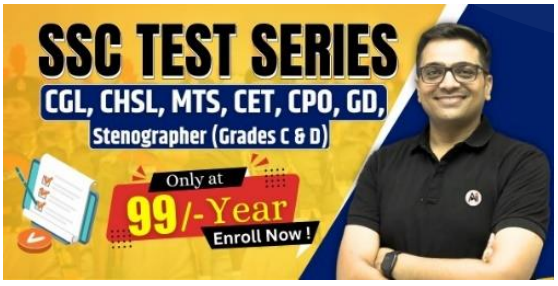

भारत और यूएई के मध्य पांच समझौतों पर हस्ताक्षर

हाल ही में **अबू धाबी के क्राउन प्रिंस महामहिम शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान** की भारत यात्रा के दौरान **भारत तथा UAE के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर** किए।

द्विपक्षीय वार्ता और महत्वपूर्ण समझौते:

- ✓ इस बैठक के दौरान **भारत और यूएई** के बीच **समग्र रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और द्विपक्षीय सहयोग को और गहरा करने के** अवसरों पर चर्चा की।
- ✓ **समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA)** और हाल ही में **लागू द्विपक्षीय निवेश संधि (BIT)** की सफलता पर भी जोर दिया, जो **आर्थिक और वाणिज्यिक साझेदारी** को सशक्त बनाने में सहायक होगी।
- ✓ इसके अतिरिक्त, **परमाणु ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिजों, हरित हाइड्रोजन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अत्याधुनिक तकनीक** जैसे क्षेत्रों में संभावनाओं पर चर्चा की गई।

नए समझौतों और एमओयू पर हस्ताक्षर:

यात्रा के दौरान निम्नलिखित समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए:

- **परमाणु ऊर्जा सहयोग**: न्यूक्लियर पावर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड **(NPCIL)** और एमिरेट्स न्यूक्लियर एनर्जी कार्पोरेशन **(ENEC)** के बीच परमाणु सहयोग पर समझौता ज्ञापन।
- **दीर्घावधि LNG आपूर्ति**: अबू धाबी आयल कंपनी **(ADNOC)** और इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड **(IOCL)** के बीच दीर्घावधि **LNG** आपूर्ति समझौता।
- **भंडारण समझौता: ADNOC** और भारतीय सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड **(ISPRL)** के बीच समझौता।
- **ऊर्जा उत्पादन रियायत:** अबू धाबी ऑनशोर ब्लॉक 1 के लिए **ऊर्जा भारत** और **ADNOC** के बीच उत्पादन रियायत समझौता।
- **फूड पार्क विकास:** गुजरात सरकार और अबू धाबी डेवलपमेंटल होल्डिंग कंपनी **(ADQ)** के बीच फूड पार्क के विकास के लिए समझौता ज्ञापन।

समझौतों के प्रमुख पहलू:

- **परमाणु ऊर्जा:** समझौता ज्ञापन से **परमाणु ऊर्जा प्लांट के ऑपरेशन और रखरखाव, संबंधित सामान और सेवाओं की आपूर्ति, और कौशल विकास** के क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा।
- **LNG आपूर्ति:** दीर्घावधि LNG आपूर्ति समझौते के तहत **प्रतिवर्ष 1 मिलियन मीट्रिक टन** की आपूर्ति होगी, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सशक्त बनाएगी।
- **भंडारण अवसर: ADNOC और ISPRL** के बीच समझौते से **कच्चे तेल के भंडारण** के नए अवसर मिलेंगे और भंडारण एवं प्रबंधन समझौतों को नवीनीकरण की सुविधा प्राप्त होगी।
- **ऊर्जा उत्पादन रियायत:** अबू धाबी ऑनशोर **ब्लॉक 1 के लिए उत्पादन रियायत** से भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।
- **फूड पार्क:** गुजरात में फूड पार्क परियोजनाओं के विकास से स्थानीय बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाएगा और **2025 की दूसरी तिमाही तक परियोजनाओं** का शुभारंभ होगा।

भारत-संयुक्त अरब अमीरात के द्विपक्षीय संबंध

परिचय:

- भारत और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने **1972 में राजनयिक संबंध** स्थापित किए।
- **अगस्त 2015** में भारत के प्रधानमंत्री की UAE यात्रा और जनवरी **2017 में अबू धाबी के क्राउन प्रिंस की भारत यात्रा ने द्विपक्षीय संबंधों** को एक नई रणनीतिक साझेदारी की ओर बढ़ाया।

आर्थिक संबंध:

- ✓ वर्ष 2022-23 में भारत और UAE के बीच द्विपक्षीय व्यापार **85 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक** पहुंच गया।
- ✓ UAE भारत का **तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार** और **दूसरा** सबसे बड़ा **निर्यातक** है।
- ✓ दोनों देशों ने पांच वर्षों में व्यापार को **100 बिलियन अमेरिकी डॉलर और सेवा व्यापार को 15 बिलियन अमेरिकी डॉलर** तक बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है।
- ✓ भारतीय कंपनियों ने **UAE में विभिन्न उद्योगों में निवेश** किया है।
- ✓ UAE ने भी भारत समेत **सात देशों के साथ द्विपक्षीय आर्थिक समझौतों** को आगे बढ़ाने की योजना बनाई है।

हरित हाइड्रोजन पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने **हरित हाइड्रोजन पर दुसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन** को संबोधित किया।

सम्मलेन की प्रमुख बातें-

- ✓ G20 में ग्रीन ऊर्जा पर पेरिस प्रतिबद्धताओं को **2030 के लक्ष्य से 9 साल पहले** पूरा करने पर जोर दिया गया।
- ✓ भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता में **300% और सौर ऊर्जा में 3,000%** से अधिक की वृद्धि हुई।
- ✓ ग्रीन हाइड्रोजन को **भविष्य की ऊर्जा** मानते हुए, इसे **डी-कार्बोनाइजेशन** के लिए अहम बताया गया।
- ✓ जलवायु परिवर्तन को वैश्विक समस्या मानते हुए, सामूहिक नवाचार के जरिए इसके समाधान पर बल दिया गया।

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन:

भारत ने 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्र बनने और 2070 तक नेट जीरो (शून्य कार्बन उत्सर्जन) हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी आर्थिक क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाना भारत के ऊर्जा परिवर्तन का मुख्य हिस्सा है। हाइड्रोजन का उपयोग **नवीकरणीय ऊर्जा के दीर्घकालिक भंडारण, उद्योग में जीवाश्म ईंधन के स्थान पर, स्वच्छ परिवहन, और विकेंद्रीकृत बिजली उत्पादन, विमानन और समुद्री परिवहन** के लिए किया जा सकता है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को **4 जनवरी 2022 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी** दी गई थी, जिसके निम्नलिखित उद्देश्य थे:

1. भारत को दुनिया में हरित हाइड्रोजन का **प्रमुख उत्पादक और आपूर्तिकर्ता** बनाना
2. हरित हाइड्रोजन और इसके व्युत्पन्न उत्पादों के **निर्यात के अवसर** पैदा करना
3. **आयातित जीवाश्म ईंधन और फीडस्टॉक** पर निर्भरता को कम करना
4. **स्वदेशी निर्माण क्षमताओं** का विकास करना
5. उद्योग के लिए **निवेश और व्यावसायिक अवसर** आकर्षित करना
6. **रोजगार और आर्थिक विकास** के अवसर पैदा करना
7. **अनुसंधान और विकास (R&D)** परियोजनाओं का समर्थन करना

मिशन के परिणाम:

2030 तक इस मिशन के परिणाम निम्नलिखित होंगे:

- कम से कम **5 मिलियन मीट्रिक टन** प्रति वर्ष हरित हाइड्रोजन उत्पादन क्षमता का विकास और देश में लगभग **125 गीगावाट नवीकरणीय** ऊर्जा क्षमता का विस्तार
- **8 लाख करोड़ रुपये** से अधिक का कुल निवेश
- **6 लाख से अधिक** नौकरियों का सृजन
- जीवाश्म ईंधन के आयात में **1 लाख करोड़ रुपये** से अधिक की कमी

हाइड्रोजन के प्रकार (निकालन विधि के आधार पर)

इसके निकालन के तरीके के आधार पर हाइड्रोजन को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है: ग्रे, ब्लू और ग्रीन।

1. **ग्रे हाइड्रोजन:** इसे **कोयला या लिग्नाइट गैसीकरण या प्राकृतिक गैस/मीथेन के स्टीम मीथेन रिफॉर्मेशन (SMR)** द्वारा उत्पादित किया जाता है। ये प्रक्रियाएं कार्बन-गहन होती हैं।
2. **ब्लू हाइड्रोजन:** इसे प्राकृतिक गैस या कोयले के गैसीकरण द्वारा उत्पादित किया जाता है, जिसमें **कार्बन कैप्चर स्टोरेज (CCS) या कार्बन कैप्चर यूज (CCU)** तकनीकें शामिल होती हैं, ताकि कार्बन उत्सर्जन को कम किया जा सके।
3. **ग्रीन हाइड्रोजन:** इसे पानी के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा उत्पादित किया जाता है, जहां बिजली नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न होती है। इसका कार्बन उत्सर्जन उस बिजली स्रोत की कार्बन तटस्थता पर निर्भर करता है **(यानी, जितनी अधिक नवीकरणीय ऊर्जा, उतना ही अधिक "ग्रीन"**

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के मत्स्य विभाग ने **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PM-MSY) के** चार सफल वर्षों की उपलब्धि को मनाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया है। यह योजना **मई 2020** में शुरू हुई थी, भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार और स्थिरता का प्रदान करती है।

PM-MSY के बारे में:

- ✓ **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PM-MSY)** ने भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र को अभूतपूर्व विकास की दिशा में ले जाने के लिए एक दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया है।
- ✓ इस योजना का मुख्य उद्देश्य **केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत मछली उत्पादन, उत्पादकता, गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, और मत्स्य उत्पादन** के बाद के बुनियादी ढांचे में सुधार करना है।
- ✓ इसके तहत, **20,050 करोड़ रुपये का निवेश** कर देश के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं।

मुख्य सुधार और पहलें:

- **बुनियादी ढांचे का विकास:** नए बंदरगाहों और **लैंडिंग केंद्रों के विकास, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले जहाजों का आधुनिकीकरण, और उत्पादन** के बाद की सुविधाओं का प्रावधान।
- **आधुनिकीकरण:** पारंपरिक मछुआरों के लिए जहाजों के **मशीनीकरण और जलीय कृषि के लिए गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ और बीज की आपूर्ति।**
- **सहायता और बीमा:** मछुआरों को मछली पकड़ने पर प्रतिबंध के दौरान **आजीविका सहायता, बीमा कवरेज, वित्तीय सहायता, और किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा।**
- **ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना:** ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हुए **PM-MSY ने ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक वृद्धि** को बढ़ावा दिया है।

नीली क्रांति क्या है?

नीली क्रांति एक ऐसी पहल है जिसका उद्देश्य **मत्स्य पालन क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाना, गुणवत्ता में सुधार करना, मछुआरों की आय बढ़ाना और मत्स्य पालन क्षेत्र** को आधुनिक बनाना है। इस योजना के माध्यम से सरकार का लक्ष्य भारत को विश्व का प्रमुख मत्स्य उत्पादक देश बनाना है।

नीली क्रांति के लाभ:

- नीली क्रांति के कारण भारत में **मछली उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि** हुई है।
- मत्स्य उत्पादों की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है, जिससे भारत के **मत्स्य उत्पादों की मांग अंतरराष्ट्रीय बाजार** में बढ़ी है।
- नीली क्रांति के कारण **मछुआरों की आय में वृद्धि** हुई है और उन्हें कई प्रकार की सुविधाएं मिल रही हैं।
- मत्स्य पालन क्षेत्र में **रोजगार के अवसरों में वृद्धि** हुई है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में **रोजगार सृजन** हुआ है।

नीली क्रांति के लिए प्रमुख पहल-

- **मत्स्य पालन का एकीकृत विकास और प्रबंधन:** इस योजना के तहत **2015-20 तक 5000 करोड़ रुपये** का निवेश किया गया। इसका उद्देश्य मत्स्य पालन के सभी पहलुओं को एकीकृत करना और मत्स्य संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित करना है।
- **मत्स्य पालन और जलीय कृषि अवसंरचना विकास निधि (एफआईडीएफ):** इस निधि के तहत **2018-19 से 7,522.48 करोड़** रुपये का निवेश किया गया। इसका उपयोग मत्स्य पालन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए किया जाता है, जैसे कि मछली पकड़ने के जहाजों का आधुनिकीकरण, मछली बाजारों का निर्माण और जलीय कृषि का विकास।
- **प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई):** यह योजना **2020-25 तक 20,050 करोड़ रुपये** के निवेश के साथ शुरू की गई थी। यह योजना मत्स्य पालन क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए एक व्यापक खाका है।
- **प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई):** यह योजना **2024-25 से शुरू की गई है और इसमें 6,000 करोड़ रुपये** का निवेश किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य मछुआरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों से अवगत कराना है।

साइबर अपराध की रोकथाम के लिए चार पहलों का शुभारंभ

केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने **विज्ञान भवन में I4C के पहले स्थापना दिवस समारोह** के अवसर पर **साइबर अपराध की रोकथाम** के लिए महत्वपूर्ण चार पहलों का शुभारंभ किया।

- गृह मंत्री ने **साइबर धोखाधड़ी न्यूनीकरण केंद्र (CFMC)** को राष्ट्र को समर्पित किया और **समन्वय प्लेटफॉर्म (संयुक्त साइबर अपराध जांच सुविधा प्रणाली)** का उद्घाटन किया।
- इसके अलावा, श्री अमित शाह ने **'Cyber Commandos'** कार्यक्रम और **Suspect Registry** का भी उद्घाटन किया।
- I4C के **नए लोगो, विजन और मिशन** का भी लोकार्पण किया।

साइबर अपराध की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण चार पहलों के बारे में -

1. **साइबर धोखाधड़ी न्यूनीकरण केंद्र (CFMC):**
   - ✓ नई दिल्ली स्थित भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) में **स्थापित साइबर धोखाधड़ी न्यूनीकरण केंद्र में प्रमुख बैंकों, वित्तीय मध्यस्थों, भुगतान एग्रीगेटर्स, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, आईटी मध्यस्थों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हैं।
   - ✓ ये सभी साझेदार ऑनलाइन वित्तीय अपराधों से निपटने के लिए त्वरित कार्रवाई और निर्बाध सहयोग के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। CFMC कानून प्रवर्तन में **"सहकारी संघवाद"** का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करेगा।
2. **समन्वय प्लेटफॉर्म (संयुक्त साइबर अपराध जांच सुविधा प्रणाली):** यह वेब-आधारित प्लेटफॉर्म साइबर अपराधों से संबंधित **डेटा संग्रह, साझा करने, अपराध मानचित्रण, डेटा विश्लेषण, सहयोग और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय** के लिए एक केंद्रीकृत पोर्टल के रूप में कार्य करेगा।
3. **'साइबर कमांडो' कार्यक्रम:** इस कार्यक्रम के अंतर्गत, साइबर सुरक्षा परिदृश्य के खतरों से निपटने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय एजेंसियों में प्रशिक्षित **'साइबर कमांडो'** की एक विशेष शाखा स्थापित की जाएगी। ये प्रशिक्षित साइबर कमांडो डिजिटल स्पेस की सुरक्षा में राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों की सहायता करेंगे।
4. **Suspect Registry:** इस पहल के तहत, **वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र की धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए, बैंकों और वित्तीय मध्यस्थों के सहयोग से राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी)** पर आधारित एक संदिग्ध रजिस्ट्री बनाई जाएगी, जिसमें विभिन्न पहचानकर्ताओं की सूची होगी।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C):

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) भारत सरकार के गृह मंत्रालय की एक पहल है, जिसका उद्देश्य देश में साइबर अपराधों से समन्वित और प्रभावी ढंग से निपटना है। है। यह केंद्र नागरिकों को **साइबर अपराध से संबंधित मुद्दों पर समाधान प्रदान** करता है, जिसमें विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों और अन्य **हितधारकों के बीच समन्वय सुधारना, साइबर अपराध से निपटने की राष्ट्रीय क्षमता को बढ़ाना** शामिल है।

I4C की स्थापना:

- ✓ I4C की योजना को **5 अक्टूबर 2018** को मंजूरी मिली थी।
- ✓ I4C का उद्घाटन **10 जनवरी 2020** को गृह मंत्री द्वारा किया गया था।

पृष्ठभूमि:

- साइबर स्पेस की वैश्विक प्रकृति और साइबर अपराधों की **तेजी से बढ़ती संख्या के कारण**, इन अपराधों से निपटने के लिए विभिन्न अधिकार क्षेत्रों और हितधारकों के बीच समन्वय की आवश्यकता है।
- इंटरनेट के उपयोग में वृद्धि और नई तकनीकों के विकास ने साइबर अपराधों में भी वृद्धि की है।

I4C के उद्देश्य:

- देश में साइबर अपराध को रोकने के लिए एक **केंद्रीय नोडल बिंदु** के रूप में कार्य करना।
- महिलाओं और बच्चों के खिलाफ **साइबर अपराधों के खिलाफ प्रभावी लड़ाई** को बढ़ाना।
- साइबर अपराध से संबंधित **शिकायतों को आसानी से दर्ज करना और अपराधों के रुझान और पैटर्न** की पहचान करना।
- कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक **प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली** के रूप में कार्य करना, जिससे साइबर अपराध की रोकथाम और पहचान में मदद मिले।
- जनता में साइबर अपराधों की रोकथाम के बारे में **जागरूकता फैलाना।**
- **साइबर फोरेंसिक, जांच, साइबर स्वच्छता और साइबर अपराध विज्ञान में पुलिस अधिकारियों, लोक अभियोजकों और न्यायिक अधिकारियों की क्षमता निर्माण** में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सहायता करना।

सिद्ध औषधियों से किशोरियों में एनीमिया का सफल उपचार

हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में **इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज (IJTK)** के शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि सिद्ध दवाओं के मिश्रण का उपयोग किशोरियों में एनीमिया के उपचार में प्रभावी साबित हो रहा है। इस पहल का उद्देश्य एनीमिया के इलाज के लिए सिद्ध औषधियों के उपयोग को मुख्यधारा में लाना है।

एनीमिया के बारे में:

एनीमिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो जाती है या इन कोशिकाओं में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम हो जाती है। हीमोग्लोबिन एक प्रोटीन है जो रक्त में ऑक्सीजन को शरीर के विभिन्न भागों तक पहुँचाता है। जब हीमोग्लोबिन की मात्रा कम होती है, तो शरीर के अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है, जिसके कारण कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं।

शोधकर्ताओं और संस्थानों की भूमिका:

- इस अध्ययन में **राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (NIS),** आयुष मंत्रालय, **जेवियर रिसर्च फाउंडेशन, तमिलनाडु,** और **वेलुमैलु सिद्ध मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, तमिलनाडु** के प्रतिष्ठित शोधकर्ता शामिल थे।
- उन्होंने **एबीएमएन (अण्णापेतिसेंतूरम, बावना कटुक्कय, माटुलाई मणप्पक्कु, और नेल्लिकके लेकियम)** नामक सिद्ध दवाओं के मिश्रण से किशोर लड़कियों में हीमोग्लोबिन, पीसीवी, एमसीवी और एमसीएच जैसे महत्वपूर्ण मानकों में सुधार पाया।

एनीमिया उपचार के लिए 45-दिवसीय सिद्ध कार्यक्रम:

- ✓ इस अध्ययन में 2,648 किशोरियों को शामिल किया गया, जिसमें से 2,300 लड़कियों ने 45-दिवसीय मानक सिद्ध उपचार कार्यक्रम पूरा किया।
- ✓ कार्यक्रम से पहले, सभी प्रतिभागियों को कृमि संक्रमण से मुक्त किया गया और फिर उन्हें **एबीएमएन** मिश्रण दिया गया।

एनीमिया के लक्षणों में सुधार:

- शोधकर्ताओं ने कार्यक्रम के दौरान और बाद में **सांस फूलना, थकान, चक्कर आना, सिरदर्द और भूख न लगने** जैसे नैदानिक लक्षणों का आकलन किया।
- साथ ही, उन्होंने पाया कि **सिद्ध औषधियों** ने एनीमिया के कई लक्षणों में सुधार किया और लड़कियों के हीमोग्लोबिन, पीसीवी, एमसीवी और एमसीएच के स्तर में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी की।

अध्ययन का महत्व:

- अध्ययन के निष्कर्षों पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान, ने कहा, **"सिद्ध औषधियां आयुष मंत्रालय की सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सिद्ध दवाएं न केवल प्रभावी उपचार प्रदान कर रही हैं बल्कि यह एनीमिया के लिए लागत प्रभावी और सुलभ उपचार भी हैं, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य में बड़ा योगदान दे सकती हैं।"**

निष्कर्ष

यह अध्ययन एनीमिया के उपचार में सिद्ध दवाओं की प्रभावशीलता और सार्वजनिक स्वास्थ्य में उनके योगदान को रेखांकित करता है, जो आने वाले **समय में और भी बड़े पैमाने पर अपनाया** जा सकता है।

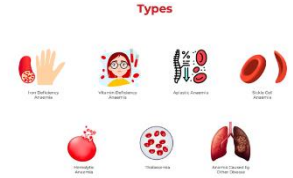

एनीमिया के कारण:

- **आयरन की कमी:** आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए आवश्यक होता है। आयरन की कमी से **एनीमिया सबसे आम प्रकार** का एनीमिया है।
- **विटामिन बी12 या फोलेट की कमी:** ये विटामिन भी **हीमोग्लोबिन के उत्पादन** में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **अस्थि मज्जा की समस्याएं:** अस्थि मज्जा लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करती है। अस्थि मज्जा की बीमारियों के कारण लाल रक्त कोशिकाओं का उत्पादन कम हो सकता है।
- **रक्त का अत्यधिक नुकसान: चोट, सर्जरी या अल्सर** के कारण रक्त का अत्यधिक नुकसान होने से एनीमिया हो सकता है।
- **लाल रक्त कोशिकाओं का तेजी से नष्ट होना:** कुछ बीमारियों या दवाओं के कारण लाल रक्त कोशिकाएं तेजी से नष्ट हो सकती हैं।
- **वंशानुगत रोग:** कुछ प्रकार के एनीमिया वंशानुगत होते हैं, जैसे सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया।

एनीमिया के लक्षण:

एनीमिया के लक्षण व्यक्ति से व्यक्ति में भिन्न हो सकते हैं और **एनीमिया की गंभीरता पर निर्भर** करते हैं। कुछ सामान्य लक्षणों में शामिल हैं:

- थकान
- कमजोरी
- चक्कर आना
- सांस लेने में तकलीफ
- त्वचा का पीला पड़ना
- दिल की धड़कन बढ़ जाना
- सिरदर्द

वैश्विक शिखर सम्मेलन में सैन्य क्षेत्र में जिम्मेदार AI के उपयोग पर नई 'कार्य योजना'

सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित REAIM (सैन्य क्षेत्र में जिम्मेदार AI) **सम्मेलन 2024** ने सैन्य उपयोग के लिए AI के जिम्मेदार उपयोग को नियंत्रित करने के लिए एक कानूनी रूप से गैर-बाध्यकारी **"कार्य योजना"** की घोषणा की है।

REAIM, जो 2023 में अपने उद्घाटन सम्मेलन के साथ शुरू हुआ, **सैन्य में AI के जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित** करने के तरीकों पर सभी हितधारकों के साथ वैश्विक चर्चा का एक मंच प्रदान करता है।

'कार्य योजना' की प्रमुख विशेषताएं:

- **अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा पर AI का प्रभाव:** सैन्य AI अनुप्रयोगों को इस तरह से **विकसित और उपयोग** किया जाना चाहिए कि वे **अंतर्राष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता** को बनाए रखें, और इन्हें कमजोर न करें।
- **AI अनुप्रयोगों के जोखिम:** AI अनुप्रयोग **हथियारों की दौड़, गलतफहमी, और संघर्ष की सीमा** को बढ़ाने के जोखिम पेश कर सकते हैं। यह मान्यता दी जानी चाहिए कि AI पूर्वव्यापी और अप्रत्याशित जोखिम पैदा कर सकता है।
- **मानवीय नियंत्रण और भागीदारी:** परमाणु हथियारों के **नियोजन और निष्पादन में मानवीय नियंत्रण और भागीदारी बनाए** रखने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। इसका उद्देश्य परमाणु हथियारों से मुक्त दुनिया की ओर बढ़ना है।
- **सैन्य क्षेत्र में जिम्मेदार AI का कार्यान्वयन:** AI अनुप्रयोगों को नैतिक और मानव-केंद्रित होना चाहिए। इन्हें लागू **राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुसार विकसित** किया जाना चाहिए और कठोर परीक्षण और मूल्यांकन प्रोटोकॉल पर ध्यान देना चाहिए।
- **AI का भविष्य का शासन:** AI के भविष्य के शासन पर चर्चा एक **खुले और समावेशी तरीके** से होनी चाहिए। इसका उद्देश्य विभिन्न विचारों को **समेटना और जिम्मेदार** विकास और तैनाती पर ज्ञान अंतराल को भरने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (ANRF) की पहली बैठक

हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने **राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (ANRF)** की पहली बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ की गईं, जो भारत के अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाएंगी।

मुख्य घोषणाएँ:

1. **अतिरिक्त नवाचार और अनुसंधान के लिए साझेदारी (PAIR):**
   - ✓ प्रारंभिक चरण में अनुसंधान कर रहे **विश्वविद्यालयों को प्रमुख और स्थापित संस्थानों** के साथ जोड़ा जाएगा।
   - ✓ यह साझेदारी **हब और स्पोक मोड** में मेंटरशिप प्रदान करेगी, जिससे शोध और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।
2. **उच्च प्रभाव वाले क्षेत्रों में प्रगति के लिए मिशन (MAHA):**
   - ✓ **ईवी गतिशीलता, उन्नत सामग्री, सौर सेल्स, स्वास्थ्य** और चिकित्सा प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान को प्राथमिकता दी जाएगी।
   - ✓ यह मिशन **समाधान-केंद्रित अनुसंधान** का समर्थन करेगा जो उच्च प्रभाव वाले क्षेत्रों में प्रगति लाएगा।
3. **ANRF उत्कृष्टता केंद्र (ACE):**
   - ✓ **विश्वस्तरीय अनुसंधान केंद्र स्थापित** किए जाएंगे
   - ✓ इन केंद्रों को पर्याप्त धन समर्थन मिलेगा ताकि वे वैश्विक मानकों पर काम कर सकें।

ANRF के बारे में:

- **स्थापना:** **ANRF की स्थापना 2023** में ANRF अधिनियम के तहत की गई। पूर्व **विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड को ANRF में शामिल** किया गया।

फंडिंग:

- **लक्ष्य:** 2023-2028 की अवधि में **₹50,000 करोड़** जुटाना।
  - **केंद्र से ₹14,000 करोड़**
  - **निजी स्रोतों से ₹36,000 करोड़**

शासन:

- **प्रशासनिक विभाग:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST)
- **शासक बोर्ड:**
  - **अध्यक्ष:** प्रधानमंत्री
  - **उपाध्यक्ष:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और शिक्षा मंत्री
- **कार्यकारी परिषद:** भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार की अध्यक्षता में

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार 2024

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में **नर्सों** को **राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार 2024** से सम्मानित किया।

- ✓ यह पुरस्कार **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 1973** में स्थापित किया गया था।
- ✓ **राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार नर्सों और नर्सिंग पेशेवरों द्वारा समाज को प्रदान की गई** उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें मान्यता देने के रूप में दिया जाता है।

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार के बारे में -

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार भारत सरकार द्वारा **नर्सों और नर्सिंग पेशेवरों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया जाने वाला एक प्रतिष्ठित पुरस्कार** है। यह पुरस्कार नर्सिंग के क्षेत्र में उनके असाधारण सेवाओं, समर्पण और मानवीय गुणों को मान्यता देता है।

पुरस्कार का नामकरण:

इस पुरस्कार का नाम **फ्लोरेंस नाइटिंगेल** के नाम पर रखा गया है, जिन्हें **आधुनिक नर्सिंग** की संस्थापक माना जाता है। उन्होंने क्रिमियन युद्ध के दौरान घायल सैनिकों की सेवा करके विश्वभर में नर्सिंग पेशे को लोकप्रिय बनाया था।

पुरस्कार का उद्देश्य:

- नर्सिंग पेशे में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करना।
- नर्सों को उनके योगदान के लिए सम्मानित करना।
- नर्सिंग पेशे के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना।
- नर्सिंग सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करना।

पुरस्कार के लिए पात्रता:

यह पुरस्कार उन **नर्सों और नर्सिंग पेशेवरों** को दिया जाता है जिन्होंने नर्सिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया हो। इसमें रोगियों की **देखभाल, स्वास्थ्य शिक्षा, अनुसंधान और नर्सिंग प्रशिक्षण** शामिल हैं।

पुरस्कार समारोह:

यह पुरस्कार आमतौर पर राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है। पुरस्कार समारोह में देश भर से आए हुए **नर्स, नर्सिंग पेशेवर, सरकारी अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भाग** लेते हैं।

पुरस्कार का महत्व:

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार नर्सिंग पेशे के लिए एक बड़ा सम्मान है। यह पुरस्कार न केवल व्यक्तिगत स्तर पर बल्कि समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह पुरस्कार नर्सों को प्रेरित करता है ।

दूरसंचार क्षेत्र: स्पैम कॉल रोकथाम और नेटवर्क प्रदर्शन में सुधार

दूरसंचार विभाग (डीओटी) और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार सेवाओं के उपयोगकर्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए मिलकर कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। **उच्च गति डेटा और स्पैम रहित सेवा** सुनिश्चित करने के लिए इन प्रयासों के तहत कई नए उपाय लागू किए गए हैं।

स्पैम कॉल को रोकने के उपाय:

रोबोकॉल और प्री-रिकॉर्डेड कॉल पर कड़ी कार्रवाई: ट्राई ने टेलीकॉम ऑपरेटरों को निर्देश दिया है कि वे स्पैम कॉल के लिए बल्क कनेक्शन का उपयोग करने वाली इकाइयों को डिस्कनेक्ट और ब्लैकलिस्ट करें।

- **सक्रिय कदम**: पिछले पखवाड़े में **3 लाख 50 हजार से अधिक नंबरों** को **डिस्कनेक्ट** किया गया और **50 संस्थाओं को ब्लैक लिस्ट** में डाला गया।
- **अवरोधन की प्रक्रिया: 3 लाख 50 हजार अप्रयुक्त/असत्यापित एसएमएस हेडर** और **12 लाख सामग्री टेम्पलेट अवरुद्ध** किए गए हैं।

साइबर धोखाधड़ी से लड़ने के लिए नवाचार:

- **संचार साथी प्लेटफॉर्म:** डीओटी ने नागरिकों को **संदिग्ध कॉल** और संदेशों की रिपोर्ट करने के लिए संचार साथी प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।
- **प्रभाव:** संचार साथी की मदद से **एक करोड़ से अधिक फर्जी मोबाइल कनेक्शन** काटे गए हैं।

संचार साथी (Sanchar Saathi) के मुख्य कार्य:

- **Chakshu -** संदिग्ध धोखाधड़ी संचार की रिपोर्ट के लिए
- **CEIR -** अपना खोया/चोरी हुआ मोबाइल ब्लॉक के लिए
- **TAFCOP -** अपने नाम पर लिए गए मोबाइल कनेक्शनों की जानकारी प्राप्त के लिए
- **KYM -** अपने मोबाइल/IMEI की जांच के लिए
- **RICWIN -** भारतीय नंबर से आने वाली अंतरराष्ट्रीय कॉल की रिपोर्ट के लिए
- **KYI -** अपने वायरलाइन इंटरनेट सेवा प्रदाता की जानकारी प्राप्त के लिए

साइबर अपराध के खिलाफ कदम: 2.27 लाख मोबाइल हैंडसेट को साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के कारण ब्लॉक किया गया है।

नेटवर्क गुणवत्ता में सुधार के प्रयास:

- **नए मानक लागू:** नेटवर्क प्रदर्शन को सुधारने के लिए **ट्राई ने नए नियम "एक्सेस सेवा की गुणवत्ता के मानक (वायरलाइन और वायरलेस)** और **ब्रॉडबैंड (वायरलाइन और वायरलेस) सेवा की गुणवत्ता विनियम, 2024 (2024 का 06)"** जारी किए हैं।

शक्तिन थंपुरन (Sakthan Thampuran)

हाल ही में **केरल** में **कोचीन वंश** के महान शासक **'शक्तिन थंपुरन'** की प्रतिमा गिर गई।

शक्तिन थंपुरन कौन थे?

- राजा राम वर्मा **कुञ्जिपिल्लई या राम वर्मा IX,** जिन्हें आज शक्तिन थंपुरन के नाम से जाना जाता है, ने **1790 से 1805** तक कोचीन राज्य पर शासन किया।
- उनका **जन्म 1751 में** कोचीन के शाही परिवार के **अंबिका थंपुरान** और **चेंदोस अनियन नमूदिरी** के घर हुआ था, लेकिन उन्हें उनकी एक चाची ने पाला, जिन्होंने उन्हें **'शाक्तन' (शक्तिशाली)** कहा।
- **'थंपुरान'** शब्द संस्कृत के **'सम्राट'** का रूपांतर माना जाता है।
- कोचीन राज्य, जो देर-चेरा साम्राज्य का हिस्सा था, आज के केरल में **मलप्पुरम के पोनानी** और **अलप्पुझा के थोट्टापल्ली** के बीच के क्षेत्रों को कवर करता था।

रणनीतिकार और शासक:

- ✓ शक्तिन थंपुरन **1769 में 18 साल की उम्र में उत्तराधिकारी** बने।
- ✓ उन्होंने अपने राजा को **डच और अंग्रेजों** के साथ **अच्छे संबंध** बनाए रखने की सलाह दी, जो उस क्षेत्र में व्यापार के बड़े हिस्से पर अधिकार करने की कोशिश कर रहे थे।
- ✓ शाक्तन ने मैसूर के **त्रावणकोर पर आक्रमण** की योजना बनाई, जिसने अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ संबंध बनाए थे।
- ✓ इसके परिणामस्वरूप **पाउनी संधि** हुई, जिसने कोचीन राज्य को मैसूर से स्वतंत्रता दिलाई और ब्रिटिशों के साथ उनके संबंधों को औपचारिक रूप दिया।

त्रिशूर और पूरम:

- शक्तिन थंपुरन ने कोचीन राज्य की **राजधानी त्रिपुनिथुरा** से आधुनिक त्रिशूर में स्थानांतरित की।
- उन्होंने त्रिशूर शहर की **बुनियादी ढांचे की नींव** रखी और **शहर को धार्मिक और व्यापारिक केंद्र** के रूप में विकसित किया।
- **1797 में,** शक्तिन थंपुरन **ने त्रिशूर पूरम** की शुरुआत की, जो तब राज्य का **सबसे बड़ा मंदिर उत्सव अरट्टुपुझा पूरम** का विकल्प था।
- त्रिशूर पूरम का उद्देश्य **वडक्कुमनाथन मंदिर** में भगवान शिव को श्रद्धांजलि देने के लिए **त्रिशूर के प्रमुख मंदिरों को एकजुट** करना था।

100 दिन की उपलब्धियों के रूप में छह पोर्टलों का उद्घाटन

संसदीय कार्य मंत्रालय की 100 दिनों की उपलब्धियों के हिस्से के रूप में विभिन्न **पहलों और पोर्टलों का शुभारंभ** किया गया। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू इस अवसर पर निम्नलिखित **छह पहलों और पोर्टलों** का उद्घाटन किया। इन पहलों का उद्देश्य का**गज रहित विधायी वातावरण प्राप्त करना, वास्तविक समय पर शासन को बढ़ावा** देना है।

नई पहलों और पोर्टलों की सूची:

1. **राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (NEVA) 2.0**
2. **NEVA मोबाइल ऐप संस्करण 2.0**
3. **अधीनस्थ विधान प्रबंधन प्रणाली (SLMS)**
4. **सलाहकार समिति प्रबंधन प्रणाली (CCMS)**
5. **NYPS पोर्टल 2.0**
6. **एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS)**

SLMS और CCMS पोर्टल्स की विशेषताएँ:

- **अधीनस्थ विधान प्रबंधन प्रणाली (SLMS):** यह पोर्टल भारत सरकार के **सभी मंत्रालयों, कैबिनेट सचिवालय, विधायी विभाग और संसदीय कार्य मंत्रालय को एक ही मंच पर लाएगा**, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार होगा और अधीनस्थ विधानों को शीघ्रता से तैयार किया जा सकेगा।
- **सलाहकार समिति प्रबंधन प्रणाली (CCMS):** यह पोर्टल माननीय संसद सदस्यों, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और संसदीय कार्य मंत्रालय से **संबंधित सलाहकार समितियों को एक मंच पर लाएगा**, जिससे सभी जानकारी और दस्तावेज वास्तविक समय में उपलब्ध होंगे और डिजिटल संवाद संभव होगा।

NYPS पोर्टल 2.0 और EMRS योजना:

- **NYPS पोर्टल 2.0:** यह पोर्टल मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों के **विद्यार्थियों के अलावा, देश के सभी नागरिकों के लिए खुला** है। इसमें **संस्थागत, समूह और व्यक्तिगत भागीदारी** की सुविधाएं शामिल हैं, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रसार और पहुंच में वृद्धि होगी।
- **एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS):** मंत्रालय **एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों** के विद्यार्थियों के लिए **राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता** की नई योजना शुरू कर रहा है। इसका उद्देश्य लोकतंत्र की जड़ों को **मजबूत करना, विविध विचारों के प्रति सहिष्णुता विकसित करना और अनुशासन की स्वस्थ आदतों** को प्रोत्साहित करना है।

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARP,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity
1 Year

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882